शिक्षा क्षेत्र की तस्वीर बदली

● आगे और भी होंगे बदलाव : दमानी

कोलकाता, 2 जून (नि.प्र.)। कोरोना वायरस का संक्रमण और लॉकडाउन की वजह से खासकर देश के शिक्षा क्षेत्र की तस्वीर बदल गयी है। आने वाले वक्त में और भी बदलाव होंगे। ऑन लाइन टीचिंग का प्रचलन बढ़ेगा। पहले विशेष परिस्थितियों में या कोर्स की विशेष तैयारियों के लिए कभी-कभार ऑनलाइन टीचिंग का सहारा लिया जाता था लेकिन लॉकडाउन ने छात्रों और अध्यापकों दोनों में ऑनलाइन टीचिंग की आदत पुख्ता कर दी है। अगर ऑनलाइन टीचिंग की प्रक्रिया नहीं शुरू की जाती तो छात्रों को पढ़ाई का बहुत बड़ा नुकसान हो जाता। यह कथन है दुनिया भर में मशहूर **एम पी बिड़ला उद्योग समूह** की संस्थाओं द्वारा संचालित **साउथ प्वायंट स्कूल** को नेतृत्व दे रहे **श्री कृष्णा दमानी** का, जो **'दैनिक विश्वमित्र'** के साथ विशेष टेलीफोन वार्ता में शिक्षा जगत में हो रहे परिवर्तनों पर चर्चा कर रहे थे।

कृष्णा दमानी

श्री दमानी एम पी बिड़ला उद्योग समूह की कई कंपनियों में निदेशक होने के साथ ही साथ साउथ प्वायंट स्कूल का संचालन करने वाले ट्रस्ट के ट्रस्टी भी हैं। साउथ प्वायंट स्कूल में 11 हजार छात्र विद्या अध्ययन करते हैं। लॉकडाउन के दौरान लगभग ढाई सौ अध्यापक-अध्यापिकाओं के माध्यम से सीनियर-जूनियर कक्षाओं के 11 हजार छात्रों को ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करने का सिलसिला जारी है। गौरतलब बात यह है कि वर्ष 1984 से 1992 तक कोलकाता में संचालित साउथ प्वायंट स्कूल विश्व का सबसे बड़ा स्कूल रहा। उस समय इस विद्यालय में लगभग 13500 विद्यार्थी थे। इसके अतिरिक्त 325 टीचर और 200 नॉन टीचिंग स्टाफ था। यह स्कूल गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में दर्ज है। श्री दमानी ने बताया कि हमारे यहां ऑनलाइन क्लासेज के साथ ही साथ एक मोबाइल ऐप भी जारी किया गया, जिसके माध्यम से नियमित आधार पर असाइनमेंट दिये जाते हैं। छात्रों को अगर किसी तरह की असुविधा होती है तो ऐप के जरिये वे पूछताछ भी कर सकते हैं। आप जोर देकर कहते हैं कि आने वाले समय में शिक्षा के क्षेत्र में सूचना क्षेत्र की तकनीक का अधिक से अधिक इस्तेमाल होगा और ऑन लाइन टीचिंग का प्रचलन बढ़ेगा। आप यह भी कहते हैं कि ऑन लाइन टीचिंग की सफलता में छात्रों के अभिभावकों की बहुत बड़ी भूमिका है। उल्लेखनीय है कि साउथ प्वायंट स्कूल मंडेविला गार्डेन तथा बालीगंज प्लेस में स्थित है। इसके अतिरिक्त बेहला में एम पी बिड़ला फाउंडेशन हायर सेकेंड्री स्कूल भी संचालित है, जिसमें 3500 विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। श्री दमानी एम पी बिड़ला फाउंडेशन हायर सेकेंड्री स्कूल की प्रबंध समिति में भी हैं।